हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 10 अंक : 309 | देहरादून, शुक्रवार, 10 जून, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

अब सरकारी अस्पताल में मुफ्त होगी 258 पैथोलॉजी जांच - डॉ0 धन सिंह रावत 3

उमड़े श्रद्धालु : सवा अट्ठारह लाख तीर्थयात्री अब तक पहुंचे चारधाम

आज तक श्री बदरीनाथ छःलाख अट्ठारह हजार, केदारनाथ पांच लाख अट्ठानब्बे हजार, गंगोत्री साढ़े तीन लाख, यमुनोत्री पहुंचे ढाई लाख से अधिक तथा श्री हेमकुंट साहिब पहुंचे 61 हजार श्रद्धालु पहुंचे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा है आज तक सवा अठारह लाख तीर्थयात्री उत्तराखंड चारधाम दर्शन हेतु पहुंच गये है। चारों धामों में यात्रा सुचारू है तथा मौसम सामान्य है। बदरीनाथ एवं केदारनाथ में हल्की बारिश है। गंगोत्री सहित चारों धामों में मां गंगा का अवतरण पर्व गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं ने स्नान किया तथा पूजा अर्चना की।प्राप्त आंकड़ों के अनुसार श्री बदरीनाथ धाम कपाट खुलने की तिथि 8 मई से आज तक 618312 तीर्थयात्री धाम पहुंच गये। श्री केदारनाथ धाम कपाट खुलने की तिथि 6 मई से आज तक 598590 तीर्थयात्री केदारनाथ पहुंच गये। इसमें हेलीकॉप्टर से पहुंचे 61273 तीर्थयात्री भी शामिल हैं।

चार धाम यात्रा सुचारू चल रही मौसम सामान्य बदरी-केदार में बारिश

श्री गंगोत्री धाम कपाट खुलने की तिथि 3 मई से आज तक 333909 तथा श्री यमुनोत्री धाम कपाट खुलने की तिथि 3 मई से आज तक 250398 तीर्थयात्री यमुनोत्री पहुंच गये है।अभी तक श्री बदरीनाथ-केदारनाथ पहुंचनेवाले कुल तीर्थयात्रियों की संख्या का योग-1216902 है । श्री गंगोत्री-यमुनोत्री पहुंचे तीर्थ यात्रियों की संख्या 584307 रही।

■ चारों धामों में मां गंगा के अवतरण पर्व गंगा दशहरा मनाया गया

आज तक उत्तराखंड चारधाम पहुंचे संपूर्ण तीर्थयात्रियों की संख्या 1801209(अठारह एक हजार दो सौ नौ) है। बृहस्पतिवार शाम चार बजे तक श्री बदरीनाथ 9362, केदारनाथ 12578 यमुनोत्री 6238 तथा गंगोत्री 9049 तीर्थ यात्री पहुंचे। कपाट खुलने की तिथि 22 मई से अभी तक श्री गुरूद्वारा हेमकुंट साहिब एवं लोकपाल तीर्थ पहुंचे तीर्थ यात्रियों की संख्या 63124 रही है। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डा.हरीश गौड़ ने जानकारी मीडिया को जारी की है।

फिर हुआ हादसा टिहरी में गिरी वैन, 5 लोगों की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अभी उत्तरकाशी बस हादसे का दर्द कम भी नहीं हुआ था कि एक बार फिर देवभूमि में दर्दनाक हादसा हुआ है। घनसाली-धुत्तु रोड पर सौड़ के पास पिकअप वैन खाई में गिर गई है... इस दुखद हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है.. जबकि तीन अन्य घायल हो गए. घायलों को पास के सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है. जानकारी के मुताबिक घटना गुरुवार दोपहर की है.

सौड़ के पास पिकअप वाहन खाई में गिर गया. हादसे के समय वाहन में 8 लोग सवार थे... राहगीरों ने तत्काल मामले की सूचना पुलिस को दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और लोगों को खाई से बाहर निकाला... हालांकि तबतक 5 लोगों की मौत हो चुकी थी और तीन लोग घायल थे... घायलों के पास के हॉस्पिटल में भेजा गया है। आपको बता दें कि बीते रविवार को भी उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री हाईवे पर बड़ा हादसा हुआ था... इस हादसे में यात्रियों से भरी हुई एक बस गहरी खाई में गिर गई थी, जिसमें

26 लोगों की मौत हो गई थी... लगातार हो रहे इस तरह के हादसों से न सिर्फ यात्रिओं में खौफ नज़र आ रहा है बल्कि राज्य सरकार और परिवहन विभाग भी हैरान है।

गंगा दशहरा पर मुख्यमंत्री धामी ने किया पंचस्नान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को कनखल स्थित शंकराचार्य आश्रम में जगत्गुरू शंकराचार्य राजराजेश्वराश्रम से शिष्टाचार भेंट की तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री इसके बाद ओम घाट पहुंचे, जहां उन्होंने पंचस्नान किया तथा देश व प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना करते हुये मां गंगा से आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर विधायक प्रदीप बत्रा, पूर्व कैबिनेट मंत्री यतीश्वरानन्द, दिनेश जी, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ0 जयपाल सिंह चौहान, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, नितिन गौतम, जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 योगेन्द्र सिंह रावत, एसडीएम पूरन सिंह राणा, एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह, सीओ सिटी शेखर जुयाल सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

WhatsApp पर मचेगा धमाल !

नए 6 फीचर्स बदल देंगे आपकी Social Life

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आप अगर अपने मोबाइल के लिए चार्जर ढूंढ रहे हैं और लेपटॉप भी डिस्चार्ज पड़ा है तो क्या करेंगे अलग अलग पावर पॉइंट्स पर चार्जिंग के लिए अलग अलग चार्जर इस्तेमाल करेंगे। अब अगर कोई एक चार्जर खराब हो जाये या खो जाये तो क्या होगा ? आप नया खरीदेंगे और इस तरह से दो नुक्सान होगा , पहला आपकी जेब ढीली होगी दुसरा ई कचरा बढ़ेगा। लिहाज़ा दुनियाभर के वैगनिकों की खोज अब परवान चढ़ रही है और सारे गैजेट्स के लिए एक चार्जर आ रहा है। जी हाँ एक देश एक चार्जर शानदार आगाज़ है जिसका दुनियाभर को इंतज़ार है।

इंस्टैंट मैसेजिंग ऐप WhatsApp अपने यूजर्स के लिए कई नए फीचर्स पर काम कर रहा है। इससे यूजर्स का अनुभव और बेहतर हो जाएगा। जब भी कंपनी किसी फीचर को आधिकारिक तौर पर लॉन्च करती है तो उससे पहले इसकी टेस्टिंग एंड्रॉइड और आईओएस ऐप के बीटा वर्जन के तहत की जाती है। आज हम आपको WhatsApp पर आने वाले फीचर्स की जानकारी दे रहे हैं जो जल्द ही लॉन्च किए जा सकते हैं।Amazon क्लीयरेंस सेल के दौरान महिलाओं के कुर्ते पर शानदार डील 70% की छूट।

Edit Message-

WhatsApp एक नए फीचर पर काम कर रहा है जो हमारे कम्युनिकेशन करने के तरीके को बदल सकता है। इस फीचर के तहत आप भेजे गए मैसेज को एडिट कर सकते हैं। WaBetaInfo के मुताबिक, WhatsApp एक एडिट ऑप्शन की टेस्टिंग कर रहा है। यह आपको मैसेज डिलीवर होने के बाद मैसेज को एडिट करने की अनुमति देता है। इससे आप टाइपो एरर को सही कर सकते हैं।

Save Disappearing Messages

यूजर्स उन मैसेज को सेव कर पाएंगे जो डिसअपीयरिंग मैसेज पर सेट हैं। कॉन्टैक्ट इंफो और ग्रुप इंफो में WhatsApp एक नया सेक्शन जोड़ेगा जो सभी अहन मैसेज को सेव करेगा।

Caption View & Status Audience Selector

नए कैप्शन व्यू फीचर को WhatsApp पर कुछ बीटा टेस्टर्स के लिए उपलब्ध कराया गया है। वहीं, WhatsApp में एक नया सेक्शन भी जोड़ा गया है जिसके तहत यूजर्स अपने स्टेटस को किस किस को दिखाना चाहते हैं ये भी सेलेक्ट कर सकते हैं।

WhatsApp Premium

WhatsApp बिजनेस ग्राहकों के लिए 'WhatsApp प्रीमियम' सब्सक्रिप्शन प्लान पेश करेगा, जिसमें 10 डिवाइस तक लिंक करने का विकल्प, कस्टम बिजनेस लिंक बनाने की अनुमति और बहुत कुछ शामिल होगा। यूजर्स सब्सक्रिप्शन प्लान से ऑप्ट आउट भी कर सकेंगे।

Exit Groups Silently

WhatsApp पर एक और नया फीचर आ सकता है जिसके तहत आप चुपचाप ग्रुप छोड़ पाएंगे। डेस्कटॉप पर, बीटा वर्जन 2.2218.1 में यह फीचर दिया जा सकता है। यह फीचर आपको अन्य पार्टिसिपेंट्स को बिना बताए ग्रुप छोड़ने की अनुमति देगा। अगर इसके तहत कोई व्यक्ति ग्रुप छोड़ देता है तो केवल एडमिन्स को ही इसका पता चलेगा।

Detailed Reaction Info For Albums

WhatsApp के iOS बीटा वर्जन में एक और फीचर टेस्ट किया जा रहा है। अगर कोई आपके ऑटोमैटिक एल्बम में किसी फोटो या वीडियो पर प्रतिक्रिया करता है, तो आप इसकी जानकारी ले पाएंगे।

राजनीती से प्रेरित है गुप्ता परिवार पर आरोप : जावेद साबरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साऊथ अफ्रीका मे कथित भ्रष्टाचार का सामना कर रहे गुप्ता परिवार ने पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित करार देते हुए यू ए ई की न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा जताया है।

गुप्ता परिवार के पारिवारिक मित्र जावेद साबरी ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि सहारनपुर के मूल निवासी गुप्ता परिवार पर साऊथ अफ्रीका मे तत्कालीन राष्ट्रपति जैकब जुमा के बेटे से व्यापारिक रिश्ते होने के कारण साऊथ अफ्रीका का मीडिया लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहा है। साऊथ अफ्रीका के मीडिया द्वारा गुप्ता परिवार पर साऊथ अफ्रीका से लाखों डालर चुराने व लूटने के आरोप मे लिप्त बताया जाता रहा है। जबकि इसके विपरीत गुप्ता परिवार पर साऊथ अफ्रीका की सरकार ने मात्र 1.2 मिलियन डालर का क्लेम किया गया है जो स्वयं मे विरोधाभासी है। उन्होंने बताया कि यह बहुत आश्चर्य जनक है कि गबन की धनराशि अरबों डॉलर से घटकर कैसे दस लाख डालर से नीचे आ गयी है और साऊथ अफ्रीका की मीडिया द्वारा वर्ष 2011-12 की घटनाओं को मिलाकर जालसाजी व धोखे के आरोप लगाये है जिससे साबित होता है कि यह मामला पूरी तरह राजनीतिक है।

उन्होने बताया कि गुप्ता परिवार पर पूर्व मे भी जितने आरोप लगाएं गये थे उन सभी मामलों मे न्यायालय द्वारा उन्हे बरी किया गया हैं। उन्होंने बताया कि गुप्ता परिवार के अतुल गुप्ता व राजेश गुप्ता को इंटरपोल द्वारा यू ए ई मे गिरफ्तार कराया गया है। यू ए ई सरकार को साऊथ अफ्रीका की सरकार ने कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया गया है। उन्होंने बताया है जिस मामले मे अतुल गुप्ता व राजेश गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है वह साऊथ अफ्रीका मे किसी दूसरी कंपनी के खिलाफ दर्ज किया गया था। उस कंपनी को कोर्ट से राहत मिल गई थी अब आठ साल बाद इंटरपोल का इस्तेमाल कर इस मामले मे गुप्ता परिवार को फसाया गया हैं। गुप्ता फॅमिली को करीब से जानने वाले जावेद साबरी ने बताया कि गुप्ता बंधुओं पर जिन धाराओं मे मुकदमा दर्ज किया गया है उन धाराओं मे यू ए ई मे मुकदमा नही चलाया जा सकता तथा गुप्ता बंधुओं का इस मामले मे प्रत्यर्पण भी नही किया जा सकता। उन्होंने बताया कि गुप्ता परिवार को यु ए ई की कानूनी व न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा हैं।

वर्षों से दुर्गम में तैनात शिक्षकों को स्थानांतरण में मिले वरीयता : डॉ0 धन सिंह रावत

शिक्षकों के स्थानांतरण में पारदर्शिता बरतने के दिये निर्देश

आशीष तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शिक्षा विभाग का अंतर्गत होने वाले शिक्षकों के स्थानांतरण में पूरी पारदर्शिता बरतने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दे दिए गए हैं। दुर्गम क्षेत्रों में वर्षों से सेवारत शिक्षकों का स्थानांतरण प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा गया है। जिले में स्थानांतरण करने की अनुमति जनपदीय अधिकारियों दी जायेगी।शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने आज विद्यालयी शिक्षा निदेशालय देहरादून में उच्च शिक्षा एवं विद्यालयी शिक्षा विभाग की उच्च स्तरीय बैठक ली। डॉ0 रावत ने बताया कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत होने वाले शिक्षकों के स्थानांतरण में पूरी पारदर्शिता बरती जायेगी, जिसके निर्देश विभागीय अधिकारियों को दे दिए गये हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के स्थानांतरण में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जायेगी, यदि शिक्षकों के ट्रांसफर में कोई गड़बड़ी पायी जाती है तो इसके जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों होंगे। डॉ0 रावत ने कहा कि स्थानांतरण पॉलिसी के तहत ऐसे शिक्षकों को प्राथमिकता के आधार पर ट्रान्सफर किया जायेगा जो वर्षों से दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सैकड़ों शिक्षक हैं जिन्होंने अपनी सेवा का अधिकतम समय दुर्गम क्षेत्रों में काट लिया जबकि वह सुगम स्थानांतरण के पात्र थे। विभागीय मंत्री ने कहा कि ऐसे शिक्षकों को जनपद स्तर पर स्थानांतरण किया जायेगा जो कई वर्षों से एक ही स्कूल में डटें हैं, इनके स्थानांतरण के लिये शीघ्र ही जनपद स्तरीय अधिकारियों को अनुमति दी जाएगी।

जिले में ट्रांसफर के लिये जनपद स्तर के अधिकारियों को मिलेगा अधिकार

बैठक में सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगोली, सचिव विद्यालयी शिक्षा रविनाथ रमन, महानिदेशक माध्यमिक शिक्षा बंशीधर तिवारी, अपर सचिव शिक्षा दीप्ति सिंह, अपर सचिव उच्च शिक्षा एम0एम0 सेमवाल, निदेशक उच्च शिक्षा प्रो0 संदीप शर्मा, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आर0के0 कुंवर, निदेशक प्राथमिक शिक्षा वंदना गर्ब्याल, निदेशक संस्कृत शिक्षा एस0पी0 खाली, सलाहकार रूसा प्रो0 एम0एस0एम0 रावत, प्रो0 के0डी0 पुरोहित सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अब सरकारी अस्पताल में मुफ्त होगी 258 पैथोलॉजी जांच - डॉ0 धन सिंह रावत

पर्वतीय जनपदों में बढ़ेगा खुशियों की सवारी का दायरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सूबे के राजकीय अस्पतालों में अब मरीजों की विभिन्न पैथौलॉजी जांचे का दायरा बढ़ा दिया गया है। पहले जहां 207 जांच की जाती थी वहीं अब 258 जांच निःशुल्क की जायेगी। राज्य के पर्वतीय जनपदों में खुशियों की सवारी का विस्तार करते हुये वाहनों की संख्या बढ़ायी जायेगी। वहीं स्वास्थ्य विभाग में पुरानी हो चुकी एम्बुलेंस को शव वाहन के तौर पर इस्तेमाल किया जायेगा। स्वास्थ्य विभाग को तबादला एक्ट से अलग रखने के लिये प्रस्ताव कैबिनेट में लाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये गये हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशालय में आयोजित समीक्षा बैठक में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिह रावत ने स्वास्थ्य विभाग को तबादला एक्ट से बाहर करने के लिये कैबिनेट में प्रस्ताव लाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं आवश्यक सेवाओं के अंतर्गत आती है जहां पर चिकित्साकों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ का स्थानांतरण जरूरत के अनुसार करना पड़ता है। स्वास्थ्य विभाग के तबादला एक्ट के अधीन होने से विभाग में स्थानांतरण को लेकर कठिनाईयां पैदा होती है। जिसे दूर करने के लिये विभाग को तबादला एक्ट से बाहर रखना जरूरी है। प्रदेश में निःशुल्क पैथौलॉजी जांचों का दायरा बढ़ाते हुए अब राजकीय अस्पतालों में 207 के स्थान पर 258 जांचे निःशुल्क की जायेगी। ताकि अधिक से अधिक मरीजों को इसका लाभ मिल सके। इसके अलावा पर्वतीय जनपदों में खुशियों की सवारी का दायरा बढ़ाया जायेगा। ताकि विषम भौगोलिक परिस्थिति वाले क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में लाने व वापस घर पहुचाने में बेहत्तर सुविधा मिल सके। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सूबे में पुरानी हो चुकी राज्य सेक्टर की एम्बुलेंस वाहनों को शव वाहन के रूप में परिवर्तित कर इस्तेमाल में लाया जायेगा। उन्होंने अधिकारियां को 108 सेवाओं को और बेहत्तर बनाने के साथ ही उनके रिस्पॉस टाइम को निश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में विभाग द्वारा संचालित 104 टेली कांस्लटेंसी सेवा सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि इस योजना के तहत औसतन 300 कॉल प्रतिदिन प्राप्त हो रही है जबकि विभाग द्वारा लगभग चार हजार लोगों से संपर्क कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी जा रही है।बैठक में सचिव स्वास्थ्य राधिका झा, मिशन निदेशक एनएचएम सोनिका, महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा आशीष श्रीवास्तव, महानिदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ0 शैलजा भट्ट, अपर सचिव चिकित्सा शिक्षा अरूणेन्द्र सिंह चौहान, निदेशक स्वास्थ्य डॉ0 मीतू शाह, निदेशक एनएचएम डॉ0 सरोज नैथानी, डॉ0 विनीता शाह, अपर निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ0 आशुतोष सयाना सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कैबिनेट में आयेगा स्वास्थ्य विभाग को तबादला एक्ट से बाहर रखने का प्रस्ताव

सर्वे स्टेडियम में 12 को लगेंगे विभागीय योजनाओं से प्रचार स्टॉल : गणेश जोशी, कृषि मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मोदी सरकार के सफल 8 साल पूर्ण होने पर आगामी 12 जून को ग्राम्य विकास विभाग, कृषि विभाग तथा उद्यान विभाग से संबंधित योजनाओं के प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे। साथ इस अवसर पर आयोजित होने वाली विशाल जन सभा को मुख्यमंत्री स्वयं संबोधित करेंगे। कैबिनेट मंत्री और मसूरी विधायक गणेश जोशी ने 12 जून को सर्वे स्टेडियम हाथीबड़कला में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के संबंध में ग्राम्य विकास विभाग, कृषि विभाग तथा उद्यान विभाग के अधिकारियों संग तैयारी बैठक ली गई। इसके उपरांत कृषि मंत्री द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों संग कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी किया।

अधिकारियों को अवगत कराया गया कि इस कार्यक्रम में देहरादून महानगर अंतर्गत आने वाली पांचों विधानसभाओं से कई किसान और उद्यमी इस अयोजन में प्रतिभाग करेंगे। विभागीय योजनाओं के प्रचार - प्रसार के लिए यह एक शानदार अवसर है। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने अपने 8 साल के कार्यकाल में यह साबित किया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार हो तो महत्पूर्ण फैसलों की बदौलत देश की दशा और दिशा बदली जा सकती है। हाल के वर्षां में सरकार के सामने कोरोना महामारी और ध्वस्त होती इकोनॉमी जैसी चुनौतियां सामने आईं लेकिन इन चुनौतियों से जूझते हुए मोदी सरकार ने देश की विकास यात्रा को नई गति दी है। किसानों के लिए सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के खाते में हर साल 6000 रूपए आते हैं। इस प्रकार की योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाए जाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थी किसानों से मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री संवाद भी करेंगे।

इस दौरान निदेशक कृषि, गौरीशंकर, अपर आयुक्त ग्राम विकास, एसके राजपूत, आरपी सिंह मुख्य अभियंता पीएमजीएसवाई, सुरेश राम संयुक्त निदेशक उद्यान एवं सीता राम भट्ट तथा पूनम नौटियाल व अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

देश के 16 वें राष्ट्रपति के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा, ऐसे होता है मतदान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चुनाव आयोग देश के नए राष्ट्रपति के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है और अगले राष्ट्रपति का चुनाव इससे पहले ही होना है। चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। आयोग ने कहा कि कोई भी दल अपने सदस्यों के व्हिप जारी नहीं करेगा।

कुल 776 सांसद लेंगे वोटिंग में हिस्सा

वोटर को अपनी पसंद कैंडिडेट के सामने 1, 2, 3 लिखकर बतानी होगी। 776 सांसद वोटिंग में हिस्सा लेंगे। कोई भी राजनीतिक दल अपने सदस्यों के लिए व्हिप जारी नहीं करेगा।

संसद भवन और राज्य की विधानसभाओं में होगी वोटिंग

राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग सांसद संसद भवन नई दिल्ली में वोट करेंगे। वहीं, विधानसभा के सदस्य अपनी विधानसभा में वोट कर सकेंगे। किसी आपात स्थिति में सांसद और विधायक कहीं भी वोट डाल सकते हैं लेकिन इसके लिए उन्हें 10 दिन पहले चुनाव आयोग को बताना होगा।

सांसद और विधायकों की वोट की वैल्यू जान लीजिएदेश के राज्यों के सभी विधायकों के वोट का वैल्यू 5 लाख 43 हजार 231 है। वहीं, लोकसभा के सांसदों का कुल वैल्यू 5 लाख 43 हजार 200 है।

कुल वोटर्स की संख्या 4,809

चुनाव आयोग ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव के कुल वोटरों की संख्या 4,809 है। इसमें लोकसभा के सांसद और सभी राज्यों के विधानसभा के विधायक शामिल हैं। वोट डालने के लिए चुनाव आयोग सभी वोटरों को पेन देगा।

राष्ट्रपति चुनाव में ये लेंगे भाग

राष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्यों के चुनावी कॉलेज के सदस्यों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी समेत सभी राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों के मतों के जरिए किया जाता है।

एमपी के वोट का वेटेज

सांसदों के मतों के वेटेज का गणित अलग है। सबसे पहले सभी राज्यों की विधानसभाओं के इलेक्टेड मेंबर्स के वोटों का वेटेज जोड़ा जाता है। अब इस सामूहिक वेटेज को राज्यसभा और लोकसभा के इलेक्टेड मेंबर्स की कुल संख्या से डिवाइड किया जाता है। इस तरह जो नंबर मिलता है, वह एक सांसद के वोट का वेटेज होता है। अगर इस तरह भाग देने पर शेष 0.5 से ज्यादा बचता हो तो वेटेज में एक का इजाफा हो जाता है।

एमएलए के वोट का वेटेज

विधायक के मामले में जिस राज्य का विधायक हो, उसकी आबादी देखी जाती है। इसके साथ उस प्रदेश के विधानसभा सदस्यों की संख्या को भी ध्यान में रखा जाता है। वेटेज निकालने के लिए प्रदेश की पॉपुलेशन को इलेक्टेड एमएलए की संख्या से डिवाइड किया जाता है। इस तरह जो नंबर मिलता है, उसे फिर 1000 से डिवाइड किया जाता है। अब जो आंकड़ा हाथ लगता है, वही उस राज्य के एक विधायक के वोट का वेटेज होता है। 1000 से भाग देने पर अगर शेष 500 से ज्यादा हो तो वेटेज में 1 जोड़ दिया जाता है।

उत्तराखंड संस्कृत बोर्ड का नतीज़ा घोषित हुए 88.17 फीसदी कामयाबी मिली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड बोर्ड के दसवीं और 12वीं के परिणाम घोषित होने के बाद अब उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा बोर्ड के 10वीं और 12वीं के परिणाम भी घोषित हो गए हैं.. शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत की मौजूदगी में रिजल्ट जारी किया गया है... खास बात यह है कि ऐसा पहली बार हुआ जब दोनों ही बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम समय पर घोषित किए गए हैं...

संस्कृत शिक्षा निदेशक ने बताया कि इस वर्ष परिषदीय परीक्षा-2022 के अंतर्गत पूर्वमध्यमा द्वितीय (हाईस्कूल) में कुल 702 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थी... जिसमें बालकों की संख्या 632 एवं बालिकाओं की संख्या 70 थी. वहीं, उत्तरमध्यमा द्वितीय (इंटरमीडिएट) में कुल 844 परीक्षार्थी पंजीकृत थे. जिसमें से 779 बालक और 65 बालिकाएं थीं ...

खासकर परिषदीय परीक्षाओं के परिणाम रिकॉर्ड समय में तैयार कर घोषित भी कर दिए गए... सूबे के संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की मौजूदगी में शिक्षा निदेशालय ननूरखेड़ा देहरादून में मध्यमा (हाईस्कूल), एवं उत्तर मध्यमा (इंटरमीडिएट) का परीक्षाफल जारी किया गया है...

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने किया रक्तदान लिया नेत्रदान का संकल्प

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन देहरादून शाखा ने रक्तदान शिविर एवम् नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया। इस कैंप में 40 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। इस कैंप की खास बात यह रही कि सभी सदस्यों एवम् उनके परिवार वालों के द्वारा रक्तदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजपुर रोड विधायक खजान दास एवम् विशिष्ठ अतिथि अम्बेडकर मंडल अध्यक्ष विशाल गुप्ता को शाल एवम् पोधे देकर सम्मानित किया गया।

आये हुए अतिथियों ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ रमा गोयल, शाखा अध्यक्ष सिन्धु गुप्ता, सचिव नूपुर गुप्ता, प्रकल्प प्रमुख रीना गर्ग एवम् पूरी टीम के द्वारा किए जा रहे इस तरह के सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की। इस दौरान रक्तदान के महत्व पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में नेत्र परीक्षण के साथ दवाईयां भी निशुल्क दी गई। साथ ही सभी ने नेत्रदान के फार्म भी भरे। महंत इंद्रेश हॉस्पिटल की टीम ने कैंप को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। संस्था की तरफ से सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट एवम् मोमेंटो दिए गए।

इस अवसर पर डॉ रमा गोयल, सिन्धु गुप्ता, नूपुर गुप्ता, रीना गर्ग, मोनिका अग्रवाल, शिखा गुप्ता, प्रीती गुप्ता, संगीता अग्रवाल, रुचि बिंदाल, रानी अग्रवाल, बबीता गुप्ता, सीमा गोयल, अर्चना सिंघल, सरिता रानी आदि सदस्य उपस्थित थे।

उत्तराखंड शौर्य सम्मान से नवाजे गए शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत

उच्च शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार के लिये किये गये सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड शौर्य अभियान समिति द्वारा कैबिनेट मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत को उत्तराखंड शौर्य सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उच्च शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में किये गये नवाचार प्रयोगों के लिये दिया गया। डॉ0 रावत पहले ऐसे राजनेता हैं जिन्हें यह पुरस्कार दिया गया। इससे पूर्व यह सम्मान पद्मश्री जगत सिंह जंगली, पदमश्री प्रेमचंद शर्मा आदि लोगों को मिल चुका है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार एवं विशिष्ट कार्य किये हैं।

उत्तराखंड शौर्य अभियान समिति द्वारा देहरादून के एक निजी होटल में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत को वर्ष 2022 के शौर्य सम्मान से सम्मानित किया गया। जिसमें समिति द्वारा डॉ0 रावत को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो एवं शॉल उडाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ0 धन सिंह रावत ने समिति का आभार जताते हुये कहा कि सम्मान और पुरस्कार बेहत्तर कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिये प्रदान किये जाते हैं। उन्होंने कहा कि वह छात्र जीवन से हमेशा समाज के लिये संघर्षरत रहे हैं और उन्हें यह प्रेरणा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं आरएसएस से मिली। डॉ0 रावत ने बताया कि सूबे के अंतिम व्यक्ति को बेहत्तर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना एवं शिक्षा की अलख जगाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जहां आगामी जुलाई माह में नई शिक्षा नीति लागू कर दी जायेगी।

कार्यक्रम में समिति के सदस्य एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहन सिंह गांववासी ने कहा कि उत्तराखंड में डॉ0 धन सिंह रावत एक ऐसे नेता हैं जो लोकप्रिय जनप्रतिनिधि होने के साथ ही एक सच्चे जनसेवक भी हैं। जिन्होंने अपनी विधानसभा क्षेत्र में अप्रत्याशित विकास कार्य तो किये ही हैं साथ ही पूरे प्रदेश में भी सक्रिय भागीदारी निभाने में सफल रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान अपने सभी विभागों में जन अपेक्षाओं के अनुरूप सुधारात्मक कार्य किये हैं। विशेषकर उच्च शिक्षा विभाग में उन्होंने अभूतपूर्व एवं नवाचार प्रयोग किये जो कि सफल रहे। डॉ0 रावत की इसी कार्यप्रणाली को देखते हुये समिति ने इस वर्ष का उत्तराखंड शौर्य सम्मान उनको देने का निर्णय लिया।

उत्तराखंड शौर्य सम्मान पाने वाले डॉ0 रावत पहले राजनेता बने

सम्मान समारोह में राष्ट्रीय दृष्टि बाधित संस्थान के निदेशक डॉ0 हिमांशु दास, हिमालयन विवि के कुलपति प्रो0 जे0पी0 पचौरी, सलाहकार रूसा प्रो0 एम0एस0एम0 रावत, प्रो0 के0डी0 पुरोहित, पर्वतीय विकास शोध संस्थान के अध्यक्ष डॉ0 अरविंद दरमोड़ा, प्रो0 मोहन सिंह पंवार, पूर्व निदेशक बागवानी डॉ0 बी0एस0 नेगी, पूर्व सेनानायक एस0एस0बी0 एस0एस0 कैन्तुरा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में राहगीरों को शर्बत पिलाकर कांग्रेस नेताओं ने सरकार को कोसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भीषण गर्मी के बीच एक अच्छा जनसेवा का कार्य किया है। गंगा दशहरा राजधानी के आर्यनगर चौक एवं तेग बहादुर रोड़ स्थित गंगा सागर मंदिर में राहगीरों को मीठा शरबत बांटा। राजनीती से अलग समाजसेवा की इस भावना के साथ पूर्व विधायक राजपुर रोड राजकुमार और महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने इस पुण्य कार्य की अगुवाई की।

आपको बता दें कि पुरे भारत में इस वक़्त गर्मी चरम पर है देहरादून में भी सुबह से देर शाम तक प्रचंड गर्मी की दहक से घरों के साथ साथ सड़कों पर चल रहे राहगीर भी हलकान है ऐसे में बीच राह ठन्डे मीठे पेय का दान करते हुए इस सेवा को लोगों ने ज़रूरी और नेक कार्य बताया है। रास्ते से गुजर रहे बाइकों और वाहनों से आने वालों ने शरबत पीकर इस कार्य की सराहना की।

इस दौरान महानगर कांग्रेस अध्यक्ष श्री लाल चंद शर्मा , पूर्व विधायक राजकुमार नें रूप में कहा की आज लगभग एक माह से उत्तराखण्ड की वन सम्पदा वनों मे लगी आग से नष्ट होती जा रही है परन्तु राज्य सरकार के स्तर से इसे बचाने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आग से धधकती प्रदेश की अमूल्य वन सम्पदा के साथ ही हमारे वन्य पशु, वृक्ष-वनस्पतियां, जल स्रोत और यहां तक कि ग्लेशियर भी इस भीषण दावानल से संकट में है। आज विश्व के पर्यावरणीय वातावरण में तेजी से बदलाव आ रहा है जिसका असर हिमालय के हिमखण्डों पर भी पड़ रहा है। उत्तराखण्ड राज्य 67 प्रतिशत वनों से आच्छादित है तथा मां गंगा के साथ ही उत्तराखण्ड से निकलने वाली उसकी सहायक नदियों का भी पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान है, परन्तु बार-बार मां गंगा के नाम पर वोट मांगने वाले मोदी और उनकी सरकार इसकी भी रक्षा नहीं कर पा रही है। केन्द्र सरकार ने नमामे गंगे की सफाई के लिए जनता को आश्वासन दिया किन्तु 8 साल व्यतीत होने पर स्वच्छ गंगा के लिए सार्थक कदम नहीं उठाये गये। केन्द्र सरकार ने स्वच्छ भारत बनाने का भी संकल्प लिया था यह संकल्प सपना जैसा लग रहा है।

इस दौरान अशोक कुमार, बलराज परिहार, मनमोहन सिंह, एमएस चौहान, हिमांशु नेगी, डॉ विश्वाश, राजकुमार, पंडित बहुगुणा, बबलू, षेखर, कपिल, रतन मास्टर, हयान चंद, सिराज, रमेष, जीत, विक्की आदी मौजूद रहे।

जानिए क्या है करोड़ों रुपए का चीनी लोन ऐप फ्रॉड ?

क्या है करोड़ों रुपए का चीनी लोन ऐप फ्रॉड ?भारत में पिछले कुछ वर्षों में तुरंत या इंस्टेंट लोन देने का वादा करने वाले चीनी ऐप का धंधा बहुत तेजी से फला-फूला है। ये लोन देने वाले ऐप बिना किसी KYC डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, बिना किसी लोन एग्रीमेंट के ही हर किसी को लोन देते हैं। यही बात उनके तेजी से लोकप्रिय होने की वजह बन गई।भारत में करीब 1050 इंस्टेंट लोन ऐप्स हैं, जिनके कामों में कई अनियमितता पाई गई। इनमें से करीब 750 ऐप्स अभी भी गूगल प्ले स्टोर पर हैं। इनमें से 300 ऐप्स की वेबसाइट हैं, जिसमें बहुत कम जानकारी दी गई है। वहीं केवल 90 ऐप्स का ही कोई फिजिकल एड्रेस है।यूजर की पूरी डिटेल इकट्ठा कर चुके ये ऐप लोन लेने वाले की मॉर्फ्ड और अश्लील तस्वीरें उसके परिवार को भेजकर उसे ब्लैकमेल करते हैं। ऐसे में व्यक्ति मजबूर होकर उन्हें लोन अमाउंट से कई गुना ज्यादा पैसा दे देता है।कई बार ये ऐप लोगों को इतना परेशान करते हैं कि लोग सुसाइड तक कर लेते हैं, लेकिन इन ऐप्स का धंधा चलता रहता है, क्योंकि ये कोई नया शिकार तलाश लेते हैं।कोरोना के बाद से भारत में तेजी से फला-फूला लोन ऐप्स का धंधा2020 में देश में कोरोना महामारी के बाद लोगों की खस्ता आर्थिक हालत ने भी लोन बांटने वाली इन चीनी कंपनियों को अपना धंधा बढ़ने में बहुत मदद की। इन लोन ऐप को डाउनलोड करते ही यूजर के खाते में एक छोटी रकम ट्रांसफर कर दी जाती है, लेकिन इस लोन की ब्याज दर बहुत ज्यादा होती है। कई बार 200% से 500% तक की ऊंची ब्याज दर वसूली जाती है।

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश में पिछले कुछ समय से चीनी लोन ऐप के जरिए लोगों को ठगने और लूटने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पुलिस के मुताबिक, अरबों रुपए का ये धंधा चीन से चलता है। भारत में काम करने वाले इन चीनी लोन ऐप्स के एजेंट्स क्रिप्टोकरेंसी के जरिए विदेश में बैठे अपने आकाओं को पैसे भेजते हैं।इस साल अप्रैल में दिल्ली पुलिस ने कई करोड़ों रुपए के चीनी लोन ऐप फ्रॉड के इंटरनेशनल सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक महिला समेत देश भर से 8 लोगों को गिरफ्तार किया था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी लोगों को लोन देने के बाद उसके भुगतान के नाम पर पैसे की उगाही करने के साथ ही उन्हें धमकाते भी थे। पुलिस के मुताबिक, इन ऐप्स के मास्टरमाइंड चीन में हैं, साथ ही दुबई, हांगकांग, नेपाल और मॉरिशस से भी इनके तार जुड़े हैं। इन लोन ऐप्स के एजेंट भारत से क्रिप्टोकरेंसी के जरिए चीन, हांगकांग और दुबई पैसे भेजते हैं।दिल्ली में इस मामले में हुई गिरफ्तारी में पुलिस को एक ही खाते से उगाही किए गए 8.25 करोड़ रुपए मिले थे, जबकि 25 अन्य खाते फ्रीज किए गए थे।पिछले साल ED ने चीनी ऐप लोन फ्रॉड की जांच के दौरान पाया था कि इन ऐप्स के जरिए 1,400 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन हुए हैं। इनमें से ज्यादातर पैसा चीन, हांगकांग और मॉरीशस ट्रांसफर किया गया था। पिछले साल ही दक्षिण भारत में इस फ्रॉड से जुड़े मामले में 7 चीनी नागरिकों समेत 35 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

40 पार करते ही मैडम का क्यों बढ़ने लगता है वजन ? जानिए वजह

महविश
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आप अगर ये सोचते हैं कि वजन बढ़ना खाते पीते घर की निशानी है तो जनाब आपकी सोच को सही नहीं कहा जायेगा। चिकित्सक हों या डाइटीशियन सबका कहना है कि अगर आप फिट और फुर्तीले रहना चाहते हैं तो अपने शरीर के वजन को नियंत्रण में रखना सबसे ज़रूरी है। न्यूज़ वायरस भी आपको यही सलाह देने के लिए इस खबर के ज़रिये बता रहा है कि आप ख़ास कर ग्रहणी और महिलाएं कैसे अपने वजन को कंट्रोल कर सकती हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि वेट मैनेज करना सबसे कठिन कार्यों में से एक है। पुरुषों के लिए हो या महिलाओं के लिए, हर कोई एक समय के बाद स्वस्थ वजन बनाए रखने के लिए संघर्ष करता है। वैसे तो वजन कम करने के कई तरीके हैं, लेकिन एक बात जो हमेशा हमारे दिमाग में रहती है कि हम वजन क्यों बढ़ा रहे हैं। हम स्वस्थ भोजन कर रहे हैं, व्यायाम कर रहे हैं और अच्छी जीवनशैली जी रहे हैं, फिर भी वजन बढ़ रहा है।यह समस्या अक्सर पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखी जाती है। महिला शरीर जटिल हैं। वे समय के साथ कई बदलावों से गुजरते हैं। यौवन तक पहुंचने के बाद, हार्मोनल परिवर्तन और मासिक धर्म वजन बढ़ाने में योगदान करते हैं, और गर्भावस्था के बाद, कई अन्य कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अगर हम अपने आस-पास देखें, तो 40 साल से ऊपर की महिलाओं में कम उम्र की महिलाओं की तुलना में वजन बढ़ने की संभावना अधिक होती है। अगर आपको आश्चर्य है कि क्यों, हमारे पास आपके प्रश्न का एक विशेषज्ञ उत्तर है।

देहरादून में मौजूद एक्सपर्ट न्यूट्रिशनिस्ट से जब न्यूज़ वायरस संवाददाता महविश ने इस मसले पर बात की तो उन्होंने बताया कि ₹40 से अधिक महिलाओं का वजन बढ़ने का एक मुख्य कारण यह है कि उनका मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। वे कैलोरी को उतनी कुशलता से नहीं बर्न करते जितना उन्होंने कुछ साल पहले किया था। यहां तक कि जो महिलाएं व्यायाम करती हैं, उनके पेट के क्षेत्र में वजन बढ़ने का अनुभव होता है।₹न्यूज़ वायरस की रिसर्च डेस्क ने आपके इन्हीं सवालों और समस्या को खत्म करने के लिए स्वस्थ वजन बनाए रखने में मदद करने वाली आदतों पर जोर देते हुए, कुछ सरल और उपयोगी टिप्स साझा कर रही है

अगर आप स्नैक लेना चाहते हैं, तो बादाम, अखरोट, कद्दू के बीज और सूरजमुखी के बीज जैसे नट्स और बीज लें।हमारे शरीर को एक्टिव रहने और मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के लिए भरपूर प्रोटीन की जरूरत होती है, इसलिए प्रोटीन का सेवन बढ़ाएंदिन में सिर्फ 30 मिनट व्यायाम करने से आप अपना वजन कम कर सकते हैं और ताकत और लचीलेपन का निर्माण कर सकते हैं।फाइबर से भरपूर आहार लें। अपने आहार में दिन में एक या दो बार सब्जा या चिया बीज या इसबगोल को शामिल करें।पोषक तत्वों की कमी से लड़ने के लिए विटामिन, कैल्शियम और आयरन की खुराक लें।अगर बाहर खाना खा रहे हैं तो अनाज से बचें।रोजाना साबुत अनाज, साबुत दाल, ताजे फल और ताजी सब्जियों का सेवन करेंकम से कम 8 घंटे की अच्छी नींद लें।

संपादकीय

जरूरी है बहुलतावादी लोकतंत्र

बीते सप्ताह केंद्रीय गृहमंत्री ने एक लेख में दावा किया कि 'मोदी सरकार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा राजनीति का विषय नहीं है. यह 'राष्ट्र को सर्वोपरि' रखने का मामला है. हमारी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता से समझौता नहीं कर सकती है.' फिर भी, लगता है कि केंद्र सरकार और भाजपा यह नहीं समझती कि धार्मिक असहिष्णुता और धर्मांधता भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं. इसे अनदेखा कर, उससे भी खराब उसे बढ़ावा देकर, सत्ताधारी पक्ष द्वारा निरंतर धार्मिक कट्टरता का प्रदर्शन करना राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता के हित में नहीं है. सभी धर्मों में छिटपुट तत्व हैं, पर उन सभी के साथ कड़ाई से निपटना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे हाशिये से मुख्यधारा न बन सकें. हमारी सशस्त्र सेनाएं सुरक्षा की बाह्य चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं, यह भारत की आंतरिक सुरक्षा है, जो चिंताजनक बनी हुई है. सांप्रदायिकता, उग्रवाद, धर्मांधता व धार्मिक असहिष्णुता से पैदा हुईं चुनौतियों से राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान अभी तक पार नहीं पा सका है. यह हो भी कैसे सकता है, जब विभिन्न स्तरों पर राजनीतिक नेतृत्व ही वोट की तलाश में ऐसी शक्तियों को बढ़ावा देता रहेगा? राष्ट्रों के समुदाय में भारतीय गणराज्य दशकों से बहु-जातीयता, बहुभाषी, बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक धर्मनिरपेक्ष और बहुलतावादी लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठित रहा था. विश्व में कुछ ही देश हैं, जो अपने बारे में ऐसा दावा कर सकते हैं. हमें अपनी विविधता में एकता पर गर्व होता था. गंभीर उन्माद के समक्ष भारतीय गणराज्य की इसी विशिष्टता की रक्षा करना भारत के लिए हमेशा से मुख्य राजनीतिक एवं सुरक्षा चुनौती रहा है. भाजपा की एक राष्ट्रीय प्रवक्ता द्वारा मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को आहत करनेवाला बयान देने के एक सप्ताह से अधिक समय तक पार्टी और सरकार चुप रही थीं, पर जब कुछ अरब देशों ने सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों पर कार्रवाई न करने की आलोचना की, तो त्वरित कार्रवाई की गयी. एक सप्ताह पहले ही भारत में धार्मिक असहिष्णुता को रेखांकित करने के लिए अमेरिकी विदेश सचिव एंथनी ब्लिंकेन की आलोचना भारतीय विदेश मंत्रालय ने यह कहते हुए की थी कि यह अमेरिका की 'वोट बैंक पॉलिटिक्स' है. एक सप्ताह बाद अरब देशों ने सरकार को एक कदम पीछे हटने पर विवश कर दिया. अरब के सामंती शासकों, जिनमें से एक भी लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नहीं हैं, की भर्त्सना के कारण भाजपा को अपने प्रवक्ताओं पर कार्रवाई करनी पड़ी और विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी कि उन प्रवक्ताओं के बयान भारत सरकार के विचार को प्रतिबिंबित नहीं करते. यह बहु-धार्मिक और बहुलतावादी लोकतंत्र के रूप में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को एक आघात है. विदेश मंत्रालय का स्पष्टीकरण भारतीय कूटनीति के समक्ष नयी चुनौतियों को भी रेखांकित करता है. अतीत में जब भी कभी बाहर के किसी स्वयंभू मुस्लिम प्रतिनिधि ने अल्पसंख्यकों से बर्ताव को लेकर भारत को नसीहत देने का विशेषाधिकार हड़पने की कोशिश की, तो भारतीय मुस्लिम नेतृत्व द्वारा उसे तुरंत जवाब दिया जाता था. धर्म के नाम पर राज करनेवाले शासनों के पास क्या नैतिक अधिकार है कि वे एक धर्मनिरपेक्ष और बहुलतावादी लोकतंत्र की भर्त्सना करें, जिसने सभी अल्पसंख्यकों को संवैधानिक अधिकार दिये हैं?

रणजी क्वार्टर फाइनल में शर्मनाक हार से उत्तराखंड की फजीहत, हार का बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रणजी ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में मुंबई ने उत्तराखंड को रिकॉर्ड बड़े अंतर से रौंद दिया... मुंबई ने ये जबरदस्त जीत खेल के चौथे दिन हासिल की. बेंगलुरु में हुए इस मुकाबले को जीतकर मुंबई ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली...

मुंबई ने क्वार्टरफाइनल में उत्तराखंड को 725 रन से हराया है आपको बता दें कि यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में रनों के मामले में दर्ज की गई सबसे बड़ी जीत है... इससे पहले यह रिकॉर्ड न्यू साउथ वेल्स के नाम था, जिसने 1929-30 सीजन में क्वींसलैंड को 685 रन से हराया था. 1920 21 सीजन में भी न्यू साउथ वेल्स ने साउथ ऑस्ट्रेलिया को 638 रन से हराकर एक रिकॉर्ड बनाया था. इससे पहले रणजी ट्रॉफी की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बंगाल ने हासिल की थी. उसने 1953-54 में ओडिशा को 540 रन से हराया था...

मुंबई ने दूसरी पारी में कप्तान पृथ्वी शॉ के 72 रन और यशस्वी जायसवाल के 103 रनों की पारी के दम पर उत्तराखंड को 795 रनों का लक्ष्य दिया... उन्होंने दूसरी पारी तीन विकेट पर 261 रन बनाने के बाद घोषित की... जवाब में स्कोर बोर्ड पर एक भी रन टांगने से पहले उत्तराखंड को झटका लग गया... कमल सिंह खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए... उत्तराखंड के दोनों ओपनर्स शुरुआती तीन ओवर में ही आउट हो गए.. टीम के टॉप छह बल्लेबाजों में सिर्फ कुणाल चंडीला ही दहाई के आंकड़े में पहुंच सके.. मुंबई के लिए धवल कुलकर्णी, शम्स मुलानी और तनुश कोटियन ने 3-3 विकेट चटकाए...

दूसरी पारी में उत्तराखंड की टीम सिर्फ 69 रन पर ऑल आउट हो गई... मुंबई ने पहली पारी 647/8 पर घोषित की थी. इस पारी में सुवेद पारकर ने डेब्यू करते हुए जबरदस्त 252 रन बनाए थे. 21 साल के पारकर डेब्यू पर रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबले में दोहरा शतक लगाने वाले इतिहास के दूसरे खिलाड़ी बने थे. पहली पारी में सरफराज खान ने 153 रन की दमदार इनिंग खेली थी. जवाब में उत्तराखंड की पूरी टीम सिर्फ 114 रन पर पवेलियन पहुंच गई थी.

उत्तराखंड पंचायत चुनाव की बजी घंटी 12 जिलों में 27 जून को होगा चुनाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गांव की सरकार किसकी होगी और कौन बनेगा छोटी सरकार का नेता ये तय करने के लिए त्रिस्तरीय पंचायतों के 12 जिलों में खाली पड़े पदों पर चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना जारी कर दी है। लिहाज़ा संबंधित क्षेत्रों में आचार संहिता लागू हो गई है जो नतीजे आने तक जारी रहेगी। सबसे अहम बात ये हैं कि इसी महीने सभी खाली पदों के लिए 27 जून को चुनाव होंगे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त चंद्रशेखर भट्ट की ओर से पंचायत के खाली पदों के लिए अधिसूचना जारी की गई। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ग्राम सभा सदस्यों के 4821, ग्राम प्रधान के 179, क्षेत्र पंचायत सदस्यों के 21 और जिला पंचायत सदस्यों के तीन खाली पदों के लिए चुनाव होंगे। हरिद्वार जिला इस चुनाव में शामिल नहीं है।

उन्होंने बताया कि अब जिलों के जिलाधिकारी संबंधित क्षेत्रों की अधिसूचना जारी करेंगे। जहां भी चुनाव होने हैं, वहां आचार संहिता लागू रहेगी। क्षेत्र पंचायत सदस्यों के नामांकन की पूरी प्रक्रिया क्षेत्र पंचायत मुख्यालय पर होगी। जिला पंचायत सदस्यों की नामांकन प्रक्रिया जिला पंचायत मुख्यालय पर होगी, लेकिन मतों की गणना क्षेत्र पंचायतों के मुख्यालय पर होगी। परिणाम जिला पंचायत मुख्यालय जारी करेंगे। चुनाव में सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को कोविड से बचाव की गाइडलाइंस का पालन करना अनिवार्य होगा। तो थोड़े समय के लिए खामोश हुआ चुनावी समर एक बार फिर पहाड़ों से लेकर मैदान तक छिड़ने जा रहा है।

काशीपुर में पीएनबी से दिनदहाड़े 15 लाख की लूट बदमाशों की धरपकड़ के लिए सीमाएं सील

काशीपुर। मुरादाबाद रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की शाखा में घुसे तीन बदमाशों ने बैंक कर्मियों और ग्राहकों को गन प्वाइंट पर लेकर दिनदहाड़े पंद्रह लाख रुपये की नकदी लूट ली। बैंक कर्मी लुटेरों का विरोध करने का साहस नहीं कर पाए। दिनदहाड़े हुई लूट से पुलिस महकमे में खलबली मच गई। एसएसपी समेत पुलिस के आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर बदमाशों की धरपकड़ के लिए जिले की सीमाएं सील कर दी हैं। मुरादाबाद रोड स्थित सूद अस्पताल के पास दर्शन सचदेवा के भवन में 10 वर्षों से पीएनबी की शाखा है। अनाज मंडी पास होने के कारण इस शाखा में आढ़तियों और व्यापारियों के अलावा काश्तकारों के खाते अधिक हैं। बृहस्पतिवार को दोपहर 3:57 बजे असलहाधारी तीन बदमाश बैंक में घुसे। बैंक में शाखा प्रबंधक प्रतिभा यादव समेत कुल सात कर्मचारी और तीन ग्राहक मौजूद थे। बैंक कर्मियों के मुताबिक पगड़ीधारी एक युवक एक घंटे से बैंक के अंदर था। उसके दो और साथी आ गए। उनमें से एक पगड़ी पहने हुए था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इनमें से दो बदमाशों ने बैंक कर्मियों को गन प्वाइंट पर ले लिया।

दून की स्वच्छता बढ़ने को स्मार्ट सिटी लि0 ने निगम को सौंपे 35 वाहन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वित्त एवं शहरी विकास मंत्री उत्तराखण्ड सरकार प्रेमचन्द्र अग्रवाल ने स्मार्ट सिटी परियोजना लि0 की ओर से नगर निगम को समर्पित किए गए 35 सफाई वाहन को परेड ग्राउण्ड से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर महापौर नगर निगम देहरादून सुनील उनियाल गामा, स्थानीय विधायक खजान दास, आयुक्त गढ़वाल मण्डल सुशील कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्मार्ट सिटी लि0/जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार, मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम मनुज गोयल, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी/अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, सी.जी एम तकनीकि पदम कुमार एवं जे.एस चौहान सहित स्मार्ट सिटी परियोजना लि0 के अधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मंत्री वित्त एवं शहरी विकास प्रेमचन्द्र अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा “एक कदम और स्वच्छता की ओर” अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत स्मार्ट सिटी लि0 द्वारा नगर निगम को 35 वाहन दिए जा रहे है। जिससे कूड़ा उठान में मदद मिलेगी तथा सफाई कार्यों में और अधिक गुणवत्ता आने के साथ ही कर्मचारी भी दक्षतापूर्वक कार्य करेंगे।

जिलाधिकारी/ मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार ने बताया कि नगर निगम को सफाई व्यवस्था और अधिक दूरूस्त करने के लिए यह आधुनिक वाहन दिए गए है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के उपकरण की आवश्यकता होगी वह भी नगर निगम को दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी परियोजना के अन्तर्गत कार्य समाप्ति की कटऑफ डेट जून 2023 है वर्तमान में निर्माण कार्यों एवं स्मार्ट रोड़ पर अधिक ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है तथा कार्यदायी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय हो तथा कार्यों की प्रगति बढे.इसके लिए निरंतर सुधार किया जा रहा है।

नगर निगम को आम जन को समर्पित किए गए वाहन 03 कॉम्पैक्टर वाहन, 20 ई0 कार्ट, 12 हूपर टिपर्स दिए गए है। कॉम्पैक्टर वाहन- यह वाहन कूडे को छोटी कूडा गडीयों से लेकर डम्पींग ग्राउण्ड तक ले जाती है। इस वाहन से अधिक मात्रा में कुड उठाकर डम्पींग ग्राउण्ड तक ले जाया जा सकता है।

ई0 कार्ट वाहन दिये गये है, जो पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक वाहन है। इन वाहनों को छोटी गलियों छोटे रास्तों में भी आसानी से ले जाया जा सकता है। हूपर टिपर्स- यह उपकरण कचरे को जमीन पर डंप कर सकता है, साथ ही सीधे एक कंटेनर में और रिफ्यूज कलेक्टर में भी डाल सकता है।

यह पूरी तरह से हाइजीनिक है और इसलिए ज्यादा सुरक्षित है। यह संकरी गलियों में आसानी से चल सकता है,यह पूरी तरह से कवर परिवहन प्रदान करता है। पूर्व में भी देहरादून स्मार्ट सिटी लि0 द्वारा नगर निगम देहरादून को 2 सक्शन मशीन (जटायु) एवं 3 स्वीपिंग मशीनें दी गयी है जो की वर्तमान में

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर पशुओं की ताजा स्थिति पर सचिव पशुपालन ने दी अपडेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सचिव पशुपालन विभाग डॉ. वी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग में हो रही पशुओं की मृत्यु पर विभाग पूरी तरह से गंभीर है।

उन्होंने जानकारी दी कि पशुपालन विभाग यात्रा मार्ग पर निरंतर स्थिति का निरीक्षण कर रहा है। विभाग द्वारा पशुओं को निरंतर चिकित्सा एवं उनके मालिकों को सुविधाएं प्रदान की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी की केदारनाथ यात्रा मार्ग में अभी तक 140 पशुओं की मृत्यु हुई है।

विभाग द्वारा अभी तक 6880 पशुओं का निरीक्षण किया गया है। जिनमें 1804 पशुओं को चिकित्सा प्रदान की गई है। तथा 118 पशुओं को यात्रा हेतु अयोग्य पाया गया। इसके साथ ही 91 पशु मालिकों के चालान भी किए गए हैं। 411 पशुओं को यात्रा प्रतिभाग से ब्लॉक भी किया गया तथा 09 एफ आई आर भी दर्ज़ की गई है। साथ ही निरंतर पानी की चारियों की सफाई व्यवस्था की जा रही है।

गर्मी में शरीर को ठंडा रखने के लिए खाएं ये 4 चीज़ें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गर्मियों में स्वस्थ रहने के लिए कई तरह से खान पान का ध्यान रखना पड़ता है. गर्मियों में न ज्यादा खाने का मन करता है न ज्यादा बहार जाने का. ऐसे में लोगों को खाने पीने की समस्या भी होती है. गरमियों में स्वस्थ रहने के लिए शरीर को पौष्टिक आहार के साथ ठंडा रखना बहुत ज़रूरी है. गर्मियों में कुछ ऐसे खाने का सेवन करना चाहिए जिससे शरीर में पानी की कमी भी न हो. इस गर्मी के मुआसँ में बहुत लोगों को सं स्ट्रोक हो जाता है.

लौकी-

लौकी की तासीर ठंडी होती है. साथ ही यह पेट के लिए भी बहुत अच्छी होती है. गर्मियों में लौकी खाने से पाचन भी ठीक रहता है. लौकी के सेवन से गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने में मदद मिलती है. अगर आपको लौकी की सब्जी नहीं है तो आप लौकी का रायता भी बना कर खा सकते हैं. प्याजगर्मियों में लू से बचने के लिए प्याज का सेवन करना चाहिए. गर्मियों में प्याज शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है. बच्चों को गर्मी के से बचाने के लिए बर्गर या सैंडविच में कच्चा प्याज डालकर खिलाया जा सकता है.

खीरा-

गर्मियों में खीरा खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती. खीरे का सलाद और रायते का सेवन गर्मियों में जरूर करना चाहिए. खीरा खाने से पेट की परेशानियां भी दूर रहती हैं और त्वचा परेशानियां भी फायदेमंद है कि आप गर्मी में खीरे का रायता बना कर खाएं.

दही-

दही खाना सेहत के लिए बहुत ही अच्छा होता है. दही खाने से त्वचा की परेशानियां दूर होती है. शरीर को ठंडक मिलती है. गर्मी में दही खाना आपके शरीर के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है.

ठगने वाले छह शातिर गिरफ्तार

ऋषिकेश : कागज की गड्डी को असली नोटों की गड्डी बताकर बैंक में आए ग्राहकों के साथ ठगी करने वाले एक गिरोह के छह शातिर सदस्य को ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से पुलिस ने 69 हजार रुपये की नकदी व एक कार बरामद की है।इस मामले में चंद्रभागा ऋषिकेश निवासी रोहित राजभर ने ऋषिकेश कोतवाली पुलिस को बीते बुधवार तहरीर दी थी। तहरीर में बताया कि वह ऋषिकेश बाजार में एक दुकान पर काम करता है।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी

कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी

दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com

RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा